Dainik Bhaskar, 11th July 2017, City Bhaskar, Page – 01

उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए चार गावों में एजुकेशन, सेनिटेशन और एनर्जी के लिए काम कर रहे स्टूडेंट्स

वेस्ट केमिकल ड्रम्स से IIT स्टूडेंट्स ने बनाए डस्टबिन, संस्थान के गोद लिए चार गांव के हर घर में रखे जाएंगे

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

आईआईटी इंदौर के स्टूडेंट्स ने गावों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान के खाली केमिकल बैरल्स को मॉडिफाय कर डस्टबिन तैयार किए हैं। जल्द ही इन्हें संस्थान के गोद लिए गए चार गावों के हर घर और स्कूल में रखा जाएगा। पहले दौर में 220 डस्टबिन रखे जाएंगे। संस्थान में आने वाले फर्नीचर के पैकिंग मटेरियल से निकलने वाली लकड़ियों से भी फर्स्ट एड बॉक्स बनाए जा रहे हैं। इन्हें इंदौर के एक हजार सरकारी स्कूलों में रखा जाएगा। उन्नत भारत अभियान के तहत आईआईटी का सोशल क्लब 'अवाना' ये प्रोजेक्ट्स कर रहा है।

किसानों को मिलेगी कचरे से तैयार की गई खाद

प्रोग्राम के कोर हेड देबाशीष पांडा ने बताया कि इंस्टिट्यूट से हर महीने 5 लीटर कैपेसिटी वाले तकरीबन 40 ड्रम्स निकलते हैं। बायोडिग्रेडेबल और नॉन बायोडिग्रेडेबल वेस्ट के लिए ग्रीन और ब्लू पेंट किया गया है। आईआईटी इंदौर द्वारा गोद लिए गए सिमरोल, नया गांव, जगजीवन ग्राम और इंदिरा आवास ग्राम के घरों व स्कूलों में इन्हें रखा जाएगा। घरों का कचरा गांव में ही एक बड़े टैंक में एकत्रित किया जाएगा। आईआईटी के तैयार किए गए सिस्टम से इस कचरे की खाद बनाई जाएगी। यह किसानों को ही दी जाएगी।

फर्स्ट एड बॉक्स और बायोटॉयलेट भी बना रहे

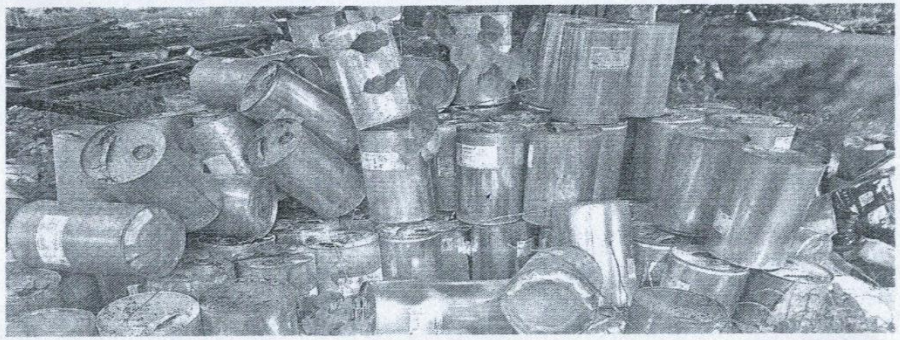

जिले के एक हजार सरकारी स्कूलों के लिए फर्स्टएड बॉक्स तैयार किए जा रहे हैं। टार के डिब्बों से बायो टॉयलेट्स भी बनाए जा रहे हैं जिन्हें इन गांवों के हर घर में लगाने की योजना है। अवाना के हेड उग्र नारायण पाठक के अनुसार अब तक चार टॉयलेट्स तैयार किए जा चुके हैं। काम तेजी से किया जा रहा है।

सिमरोल के स्कूल में बनाई कम्प्यूटर लैब व लाइब्रेरी

उन्नत भारत अभियान के तहत ही स्टूडेंट्स ने सिमरोल मिडिल स्कूल में एक कम्प्यूटर लैब भी तैयार की है। पिछले दिनों इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर ने इसका इनॉगरेशन किया। आईआईटी स्टूडेंट्स के अनुसार स्कूल के 800 बच्चों के लिए छह कम्प्यूटर लगाए गए हैं और एक टीचर भी नियुक्त किया गया है। इसी सप्ताह में हाईटेक सेंट्रलाइज्ड लाइब्रेरी का भी उद्घाटन किया जाएगा। इसमें छात्रों के लिए एक हजार किताबों के साथ ऑनलाइन और ऑफलाइन सुविधा भी उपलब्ध रहेंगी। किताबों के मैनेजमेंट के लिए लिबसिस जैसे सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा।0